1992-93. As regards rice, its production in 1992-93 is, however, expected to be lower than last year.

(b) As per available reports, the production of foodgrains in the country during 1992-93 is likely to be about 180.3 million tonnes.

(c) and (d) The Monthly Wholesale Price Index Number of Rice has declined from 248.2 in January, 1993 to 243.0 in March, 1993 showing thereby a fall of 2.1 per cent. During the same period the index for wheat also showed a marginal fall of 0.8 ptr cent declining from 233.32 in January, 1993 to 231.4 in March, 1993.

देश में भुखमरी से हुई मौतें

552. **श्री वीरेन जे. शाह :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :
श्री राम जेठमलानी :
डा. जिनेन्द्र कुमार जैन :
श्री एस. एस. अहलुवालिया :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान विगत कुछ महीनों में देश के विभिन्न भागों में विशेष रूप से उड़ीसा, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में भुखमरी के कारण होने वाली मौतों से संबंधित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और देश में भुखमरी के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिये सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है अथवा किये जाने का विचार है ;

(ग) यदि हां, तो क्या वह सच है कि खाद्यान्न विशेषकर गेहूं का आटा और चावल देश में आसानी से उपलब्ध हैं ;

(घ) यदि हां, तो क्या यह सच नहीं है कि गेहूं और चावल के मूल्यों में गत दो वर्षों के दौरान बहुत अधिक वृद्धि हुई है और ये वस्तुएं जो आम आदमी विशेषकर गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले नागरिकों की पहुंच से बाहर हो गये हैं, और उन्हें भुखमरी का शिकार होना पड़ रहा है ;

(ङ) यदि नहीं, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ; और

(च) क्या सरकार देश की आर्थिक नीति में इस प्रकार परिवर्तन करने के लिए तत्काल कदम उठायेगी कि देश में दैनिक उपभोग की वस्तुएं विशेषकर गेहूं, चावल, दाल खाद्य तेल, नमक और दूध की कीमतों में कमी आये, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) और (ख) भुखमरी से हुई मौतों की जांच संबंधित राज्य सरकारों द्वारा की गई है और यह पाया गया कि ये मौतें बीमारियों और बुढ़ापे आदि जैसे विभिन्न कारणों से हुई।

संबंधित राज्य सरकारों ने भुखमरी से होने वाली मौतें रोकने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं :—

(1) प्रत्येक पंचायत में खाद्यान्न का भण्डार रखना।

(2) प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक फसलों के उत्पादन हेतु आकस्मिक योजना का कार्यान्वयन।

(3) जवाहर रोजगार योजना जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से श्रम संबंधी कार्य प्रारंभ करना।

(4) प्रभावित क्षेत्र में पेयजल पहुंचाना।

(5) महामारियों को रोकने के लिए आकस्मिक आयोजना तथा मनुष्यों और पशुओं के लिए आवश्यक दवाईयों का प्रावधान करना।

(6) प्रभावित क्षेत्रों में कमजोर बच्चों, दुग्धपान कराने वाली माताओं एवं निर्धनों के लिए पोषाहार कार्यक्रम।

(7) सूखे से अवरोध के लिए सामाजिक वानिकी कार्यक्रम का कार्यान्वयन ।

(ग) देश में गेहूं के आटे तथा चावल की अनुपलब्धता के संबंध में कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है ।

(घ) से (च) चालू वर्ष के दौरान खुले बाजार में गेहूं और चावल की कीमतें गत वर्ष की कीमतों की तुलना में कम रही हैं । 1991-92 में, खाद्यान्नों के घरेलू उत्पादन में कमी तथा अपेक्षित मात्रा के आयात में बाधा आने के फलस्वरूप मांग और आपूर्ति में आए असन्तुलन के कारण कीमतों में अधिक वृद्धि हुई । उर्वरकों की कीमतें बढ़ने से उत्पादन लागत भी बढ़ी, जिससे गेहूं और चावल की कीमतों में और भी वृद्धि हुई ।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से गेहूं, चावल, दालों, खाद्य तेलों आदि जैसी आवश्यक जिनस उपभोक्ताओं को उचित मूल्यों पर उपलब्ध कराई जाती हैं ।

Plan outlay on Agriculture

553. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether any study has been done on the steady decline of public sector plan outlay on agriculture from the Fourth Five Year Plan to the prtsent Eighth Five Year Plan;

(b) whether it is a fact that this steady decline has affected the productivity and growth of the agricultural production; and

(c) if so, in what manner Government propose to meet the required inputs and support service for agriculture in the face of declining outlay in agriculture?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) No specific study has been undertaken and the public sector plan outlay for Agriculture have increased substantially over the plan period from Fourth Plan to the present Eighth Plan.

(b) and (c) Does not arise.

Minimum support price for wheat and rice

554. SHRI BHUPINDER SINGH MANN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) while calculating minimum support price for wheat, what amount per house-power for eltctric compoaents is taken into account during 1992-93;

(b) what is this amount for paddy during the same period?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) and (b) Estimates of cost of production of various crops, for formulation of policy for minimum support prices, are generated under Comprehensive Scheme for Studying Cost of Cultivation/Production of Principal Crops at India. Power component in total cost of production of crops varies from State to State and from crop to crop depending upon the extent of use of electric power. This information on for 1992-93 has not yet become due as the crop year still is not over. However while rate per unit of power may be the same for rice and wheat in a State, the actual amount of cost on this item could be different depending upon the use of electric power in these two crops.